

ए0एल0 बनर्जी,
आई0पी0एस0



अर्द्ध शा0 डीजी परिपत्र संख्या- 20 /2014

पुलिस महानिदेशक,
उत्तर प्रदेश,

1-तिलक मार्ग, लखनऊ

दिनांक: लखनऊ: अप्रैल 04, 2014

प्रिय महोदय/महोदया,

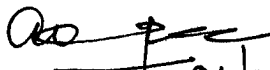
क्रिमिनल रिट याचिका सं0 129/2006 लक्ष्मी बनाम यूनियन आफ इण्डिया व अन्य में मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा पारित आदेश दिनांक 3-12-2013 के अनुपालन विषयक उ0प्र0 शासन के पत्र संख्या-834/छ:-पु0-9-14-31 (90)/2010 दिनांक 13-3-2014 का अवलोकन करने का कष्ट करें, जो अधोहस्ताक्षरी को सम्बोधित एवं समस्त जोनल पुलिस महानिरीक्षक/समस्त परिक्षेत्रीय पुलिस उपमहानिरीक्षक, उ0प्र0 सहित आपको पृष्ठांकित है, जिसके द्वारा क्रिमिनल रिट याचिका सं0 129/2006 लक्ष्मी बनाम यूनियन आफ इण्डिया व अन्य में मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा पारित आदेश दिनांक 3-12-2013 की प्रति उपलब्ध कराते हुए उल्लेख किया गया है कि मा0 न्यायालय द्वारा निम्न निर्देश दिये गये हैं तथा दिये गये निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किये जाने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किये जाने की अपेक्षा की गयी है:-

“पुलिस थानों में (तेजाब हमले से घायल) जब ऐसे प्रकरणों में प्राथमिकी दर्ज करायी जाये तो सम्बन्धित थाना प्रभारी उप जिला मजिस्ट्रेट/कार्यकारी मजिस्ट्रेट, जिनकी अधिकारिता में उक्त थाना स्थिति है, को तत्काल घटना की सूचना उपलब्ध करायेंगे और प्रकरण में अग्रेतर विधि सम्मत कार्यवाही करेंगे।”

आपको निर्देशित किया जाता है कि उ0प्र0 शासन के पत्र संख्या-834/छ:-पु0-9-14-31 (90)/2010 दिनांक 13-3-2014 एवं शासनादेश संख्या:एस0सी0-06(1)/छ:-पु0-9-13-31(90)/2010 दिनांकित-16.08.2013 (छायाप्रति संलग्न)में निहित निर्देशों के अनुसार तत्काल कार्यवाही कराना सुनिश्चित करें।

बनर्जी

भवदीय,


-04/04/14
(ए0एल0 बनर्जी)

समस्त वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षक(नाम से),
प्रभारी जनपद(नाम से)
उत्तर प्रदेश।

संलग्नक-यथोपरि।

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है:-

- 1.पुलिस महानिदेशक, रेलवे, उ0प्र0 लखनऊ।
- 2.अपर पुलिस महानिदेशक, सी0बी0सी0आई0डी0, उ0प्र0 लखनऊ।
- 3.अपर पुलिस महानिदेशक, तकनीकी सेवाएं, उ0प्र0 लखनऊ।
- 4.पुलिस महानिरीक्षक, समस्त जोन, उ0प्र0।
- 5.पुलिस उपमहानिरीक्षक, समस्त परिक्षेत्र, उ0प्र0।

104
21/3
345
21/3

28/10

मा0 उच्चतम न्यायालय प्रकरण/समयबद्ध
संख्या-834/छः-पु0-9-14-31(90)/2010

प्रेषक,

जावेद उस्मानी,
मुख्य सचिव,
उ0 प्र0 शासन।

1.G. (Crime)

सेवा में,

पुलिस महानिदेशक,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

2/3
(प्र०, हे० प्र०)
अभियंजन अधिकारी
मुख्यालय पुलिस महानिदेशक
उ० प्र०, लखनऊ

2
24/3

गृह (पुलिस) अनुभाग-9

लखनऊ : दिनांक : 13 मार्च, 2014

विषय : किमिनल रिट याचिका सं0-129/2006 लक्ष्मी बनाम यूनियन आफ इण्डिया व अन्य में मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा पारित आदेश दि0 03.12.13 का अनुपालन।

महोदय,

उपर्युक्त विषय पर मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि तेजाब के प्रयोग से महिलाओं आदि को गम्भीर शारीरिक क्षति पहुँचाने की बढ़ती हुई प्रवृत्ति को सख्ती से नियंत्रित करने और दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने हेतु किमिनल रिट याचिका सं0-129/2006 लक्ष्मी बनाम यूनियन आफ इण्डिया व अन्य में मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा पारित आदेश दि0 03.12.13 (छायाप्रति संलग्न) में निर्देश दिये गये हैं कि पुलिस थानों में जब ऐसे प्रकरणों में प्राथमिकी दर्ज करायी जाये तो संबंधित थाना प्रभारी उप जिला मजिस्ट्रेट/कार्यकारी मजिस्ट्रेट, जिनकी अधिकारिता में उक्त थाना स्थित है, को तत्काल उक्त घटना की सूचना उपलब्ध करायेंगे और संबंधित मजिस्ट्रेट उक्त सूचना प्राप्त होने पर जांच करके शीघ्र यह जानकारी करेंगे कि अभियुक्त द्वारा तेजाब कहाँ से प्राप्त किया गया है और तदनुसार प्रकरण में उनके द्वारा यथोचित कार्यवाही की जायेगी।

14 (PC)
N

2- आप अवगत ही हैं कि उपरोक्त किमिनल रिट याचिका सं0-129/2006 लक्ष्मी बनाम यूनियन आफ इण्डिया व अन्य में मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा दि0 18.07.13 को निर्गत निर्देशों के अनुपालन में शासनादेश संख्या-एस0सी0-06(01)/छः-पु0-9-13-31(90)/2010 दि0 16.08.13 (प्रतिलिपि संलग्न) निर्गत करके तेजाब (एसिड) की बिक्री पर प्रतिबन्ध लगाते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश निर्गत किये गये हैं जिनके अनुसार तेजाब विक्रेताओं और तेजाब का प्रयोग करने वाली शिक्षण संस्थाओं, अनुसंधान प्रयोगशालाओं, अस्पतालों, शासकीय विभागों और सार्वजनिक

213714

SPO

Addl (Crime)

A detailed Circular from DGPR side. Pls draft.

पुलिस उप महानिरीक्षक (लोक शिक्षण)
उत्तर प्रदेश
21/3

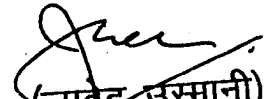
पुलिस महानिरीक्षक (अपराध)
उत्तर प्रदेश
21/3/14

उपक्रमों हेतु कतिपय प्रतिबन्ध निर्धारित किये गये हैं और संबंधित उप जिल-
मजिस्ट्रेट को उक्त दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार
कार्यवाही करने हेतु उत्तरदायी बनाया गया है।

अतः कृपया मा० उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में समस्त संबंधित
पुलिस अधिकारियों और थाना प्रभारियों को अविलम्ब यथोचित निर्देश निर्गत करते
हुए उनकी प्रति शासन को उपलब्ध करायें।

संलग्नक : यथोक्त।

भवदीय,


(जावेद उस्मानी)
मुख्य सचिव।


संख्या- (1)/छ:-पु०-९-१४ तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को तत्काल आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. समस्त मण्डलायुक्त, उ०प्र०।
2. समस्त परिक्षेत्रीय पुलिस महानिरीक्षक / उप पुलिस महानिरीक्षक, उ०प्र०।
3. समस्त जिला मजिस्ट्रेट, उ०प्र०।
4. समस्त वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक / पुलिस अधीक्षक, उ०प्र०।

संलग्नक : यथोक्त।

आज्ञा से,


(एस० के० रघुवंशी)
सचिव।

ITEM NO. 1

COURT NO. 3

SECTION PIL

S U P R E M E C O U R T O F I N D I A
R E C O R D O F P R O C E E D I N G S

WRIT PETITION (CRL.) NO(s). 129 OF 2006

LAXMI

Petitioner(s)

VERSUS

UNION OF INDIA & ORS.

Respondent(s)

(With appln(s) for permission to file additional documents, exempt from filing O.T. and permission to bring on record the draft of scheme and rehabilitation of offence (by acids) on women and child by National Commission for Women and direction and impleadment permission to file counter affidavit and office report)
[for final disposal]

Date: 18/07/2013 This Petition was called on for hearing today.

CORAM :

HON'BLE MR. JUSTICE R.M. LODHA
HON'BLE MR. JUSTICE FAKKIR MOHAMED IBRAHIM KALIFULLA

For Petitioner(s)

Ms. Aparna Bhat, Adv.
Ms. Rajkumari Banju, Adv.

For Respondent(s)

UOI

Mr. Mohan Parasaran, SG
Mr. W.S.A. Qadri, Adv.
Mr. Gaurav Dhingra, Adv.
Mr. D.L. Chidanand, Adv.
Mr. S.S. Rawat, Adv.
Ms. Sunita Sharma, Adv. for
Mr. B.K Prasad, Adv.

Ms. Sunita Shara, Adv.
Ms V. Bhandari, Adv.
Ms. Gargi Khanna, Adv.
Mr. S. Saini, Adv. for
Mr. D.S. Mahra, Adv.

M.P.

Mr. C.D.Singh, Adv.
Mr. Sunny Choudhary, Adv.

: 2 :

Jharkhand	Mr. Jayesh Gaurav, Adv. Mr. Gopal Prasad, Adv.
Meghalaya	Mr. Ranjan Mukherjee, Adv. Mr. T.M. Singh, Adv.
Haryana	Mr. Manjit Singh, Adv. Mrs. Vivekta Singh, Adv. for Mr. Kamal Mohan Gupta, Adv.
Arunachal Pradesh	Mr. Anil Shrivastava, Adv. Mr. Rituraj Biswas, Adv.
Mizoram	Mr. K.N. Madhusoodhanan, Adv. Mr. M.T. George, Adv.
Punjab	Mr. Jayant K. Sud, Adv. Mr. Ujas Kumar, Adv.
Rajasthan	Dr. Manish Singhvi, Adv. Mr. Irshad Ahmad, Adv.
<u>Manipur</u>	Mr. Khwairakpam Nobin Singh, Adv. Mr. S.Bioswajit Meitei, Adv.
Gujarat	Ms. Hemantika Wahi, Adv. Ms. Shubhada Deshpande, Adv.
J&K	Mr Sunil Fernandes, Adv. Ms. Astha Sharma, Adv. Ms. Vernika Tomar, Adv. Ms. Insha Mir, Adv.
Maharashtra	Ms. Asha G. Nair, Adv. Mr. Abhishek Kumar Pandey, Adv.
Bihar	Mr. Gopal Singh, Adv. Mr. Chandan Kumar, Adv.
Tripura	Mr. Gopal Singh, Adv Mr. Ritu Raj Biswas, Adv.
UP	Mr. Pramod Swarup, Sr. Adv. Ms. Pareena Swarup, Adv. Ms. Alka Sinha, Adv. for Mr. Anuvrat Sharma, Adv.

: 3 :

Puducherry	Mr. V.G. Pragasam, Adv. Mr. S. Aristotle, Adv. Mr. Praburamasubramanian, Adv.
Sikkim	Ms. Aruna Mathur, Adv. Mr. Yusuf Khan, Adv. for Ms. Movita, Adv. for M/s. Arputham, Aruna and Co.
TAMIL NADU	Mr. M. Yogesh Kanna, Adv. Mr. A. Santha Kumaran, Adv.
ASSAM	Ms. Vartika Sahay Walia, Adv. for M/s. Corporate Law Group
KARNATAKA	Mr. V.N. Raghupathy, Adv.
UTTRAKHAND	Mr. Prateek Dwivedi, Adv. Mr. Jatinder Kumar Bhatia, Adv.
Himachal Pradesh	Mr. Ajay Marwaha, Adv. Mr. Arun K. Sinha, Adv. Mr. Suryanarayana Singh, Adv. Ms. Pragati Neekhra, Adv.
Goa	Mr. Pratap Venugopal, Adv. Ms. Meenakshi Chauhan, Adv. Mr. Anuj Sharma, Adv. Mr. Gaurav Nair, Adv. for M/s. K.J. John & Co
Andaman & Nicobar	Mr. Balsubramaniam, Adv. Mr. K.V. Jagdisavaran, Adv. Ms. G. Indira, Adv.
Nagland	Ms. K. Enatoli Soma, Adv. Mr. Amit Kumar Singh, Adv.
Chhattisgarh	Mr. Atul Jha, Adv. Mr. Sandeep Jha, Adv. for Mr. Dharmendra Kumar Sinha, Adv.
West Bengal	Ms. Debjani Das, Adv. Mr. Avijit Bhattacharjee, Adv. Ms. Sarbani Kar, Adv.
U.T. of Chandigarh	Mr. Sangram S. Saron, Adv. Mr Shree Pal Singh, Adv.

: 4 :

Mr. M.T. George, Adv.

Mr. Balaji Srinivasan, Adv.

Mr. Anil Shrivastava, Adv.

UPON hearing counsel the Court made the following
O R D E R

This Court, in terms of signed order, has passed certain directions to the Central Government States/Union Territories and also directed to list the matter on December 3, 2013.

(Pardeep Kumar)
Court Master

(Remu Diwan)
Court Master

[SIGNED ORDER IS PLACED ON THE FILE]

1
IN THE SUPREME COURT OF INDIA

CRIMINAL ORIGINAL JURISDICTION

WRIT PETITION (CRL.) NO. 129 OF 2006

LAXMI

... PETITIONER

Versus

UNION OF INDIA AND OTHERS

... RESPONDENT

O R D E R

On 6.2.2013, a direction was given to the Home Secretary, Ministry of Home Affairs associating the Secretary, Ministry of Chemical & Fertilizers to convene a meeting of the Chief Secretaries/concerned Secretaries of the State Governments and the Administrators of the Union Territories, inter alia, to discuss the following aspects:

i) Enactment of appropriate provision for effective regulation of sale of acid in the States/Union Territories.

(ii) Measures for the proper treatment, after care and rehabilitation of the victims of acid attack and needs of acid attack victims.

(iii) Compensation payable to acid victims by the State/or creation of some separate fund for payment of compensation to the acid attack victims.

2. Following the order of 6.2.2013, three subsequent orders on 16.4.2013, 9.7.2013 and 16.7.2013 were passed by this Court.

3. Various State Governments/Union Territories have filed their affidavits. The Union of India filed its last affidavit on 17.7.2013. Along with that affidavit, draft Model Rules entitled "The Poisons Possession and Sale Rules, 2013" (for short "Model Rules") have been placed on record. Mr. Mohan Parasaran, learned Solicitor General states that the Central Government will circulate the Model Rules to regulate sale of acid and other corrosive substances framed under the Poisons Act, 1919 to all the State Governments and Union Territories within a week from today. He also states that Model Rules will include, inter alia, the form of acids (liquids or crystalline and its concentration) that can be stored and sold, issue of licenses, procurement by individuals, educational and research institutions, hospitals, industries, Government Departments and departments of Public Sector Undertakings. We accept the statement made by the learned Solicitor General as noted above.

4. Insofar as the States and Union Territories are concerned, we are informed that the States of Maharashtra, Karnataka, Kerala, Haryana, Punjab, Madhya Pradesh, Sikkim and Arunachal Pradesh have framed rules to regulate sale of acid and other corrosive substances. As regards state of Meghalaya, we find from the available record that draft rules have been prepared, a copy of which has been made available to the Court.

5. Learned counsel for the State of Tamil Nadu has stated before us that within two months from today, appropriate rules to regularise sale of acid and other corrosive substances shall be framed.

6. In our opinion, all the States and Union Territories which have not yet framed rules will do well to make rules to regulate sale of acid and other corrosive substances in line with the Model Rules framed by the Central Government. The States, which have framed rules but these rules are not as stringent as the Model Rules framed by the Central Government will make necessary amendments in their rules to bring them in line with the Model Rules. The Chief Secretaries of the respective States and the Administrators of the Union Territories shall ensure compliance of the above

expeditiously and in no case later than three months from the receipt of the draft Model Rules from the Central Government.

7. The Centre and States/Union Territories shall work towards making the offences under the Poison Act, 1919 cognizable and non-bailable.

8. In the States/Union Territories, where rules to regulate sale of acid and other corrosive substances are not operational, until such rules are framed and made operational, the Chief Secretaries of the concerned States/Administrators of the Union Territories shall ensure the compliance of the following directions with immediate effect:

i) Over the counter, sale of acid is completely prohibited unless the seller maintains a log/register recording the sale of acid which will contain the details of the person(s) to whom acid(s) is/are sold and the quantity sold. The log/register shall contain the address of the person to whom it is sold.

(ii) All sellers shall sell acid only after the buyer has shown:

a) a photo ID issued by the

Government which also has the address of the person:

b) specifies the reason/purpose for procuring acid.

(iii) All stocks of acid must be declared by the seller with the concerned Sub-Divisional Magistrate (SDM) within 15 days.

(iv) No acid shall be sold to any person who is below 18 years of age.

(v) In case of undeclared stock of acid, it will be open to the concerned SDM to confiscate the stock and suitably impose fine on such seller up to Rs. 50,000/-

(vi) The concerned SDM may impose fine up to Rs. 50,000/- on any person who commits breach of any of the above directions.

9. The educational institutions, research laboratories, hospitals, Government Departments and the departments of Public Sector Undertakings, who are required to keep and store acid, shall follow the following guidelines:

(i) A register of usage of acid shall be maintained and the same shall be filed with the concerned SDM.

(ii) A person shall be made accountable for possession and safe keeping of acid in their premises.

(iii) The acid shall be stored under the supervision of this person and there shall be compulsory checking of the students/ personnel leaving the laboratories/place of storage where acid is used.

10. The concerned SDM shall be vested with the responsibility of taking appropriate action for the breach/default/ violation of the above directions.

11. Section 357A came to inserted in the Code of Criminal Procedure, 1973 by Act 5 of 2009 w.e.f. 31.12.2009. Inter alia, this Section provides for preparation of a scheme for providing funds for the purpose of compensation to the victim or his dependents who have suffered loss or injury as a result of the crime and who require rehabilitation.

12. We are informed that pursuant to this provision, 17 States and 7 Union Territories have prepared 'Victim Compensation Scheme' (for short

"Scheme'). As regards the victims of acid attacks the compensation mentioned in the Scheme framed by these States and Union Territories is un-uniform. While the State of Bihar has provided for compensation of Rs. 25,000/- in such scheme, the State of Rajasthan has provided for Rs. 2 lakhs of compensation. In our view, the compensation provided in the Scheme by most of the States/Union Territories is inadequate. It cannot be overlooked that acid attack victims need to undergo a series of plastic surgeries and other corrective treatments. Having regard to this problem, learned Solicitor General suggested to us that the compensation by the States/Union Territories for acid attack victims must be enhanced to at least Rs. 3 lakhs as the after care and rehabilitation cost. The suggestion of learned Solicitor General is very fair.

13. We, accordingly, direct that the acid attack victims shall be paid compensation of at least Rs. 3 lakhs by the concerned State Government/Union Territory as the after care and rehabilitation cost. Of this amount, a sum of Rs 1 lakh shall be paid to such victim within 15 days of occurrence of such incident (or being brought to the notice of

the State Government/Union Territory) to facilitate immediate medical attention and expenses in this regard. The balance sum of Rs. 2 lakhs shall be paid as expeditiously as may be possible and positively within two months thereafter. The Chief Secretaries of the States and the Administrators of the Union Territories shall ensure compliance of the above direction.

14. The Chief Secretaries of the States and Administrators of the Union Territories shall take necessary steps in getting this order translated into vernacular and publicise the same appropriately for the information of public at large.

15. List the matter on December 3, 2013.

.....J.
(R.M. LODHA)

.....
(FAKKIR MOHAMED IBRAHIM KALIFULLA)

NEW DELHI
JULY 18, 2013.

प्रेषक,

जावेद उस्मानी,
मुख्य सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

- 1-समस्त प्रमुख सचिव/सचिव, उत्तर प्रदेश शासन।
- 2-समस्त मण्डलायुक्त, उत्तर प्रदेश।
- 3-समस्त जिला मजिस्ट्रेट, उत्तर प्रदेश।
- 4-पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
- 5-समस्त परिक्षेत्रीय पुलिस महानिरीक्षक/उप पुलिस महानिरीक्षक, उ0प्र0।
- 6-समस्त वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षक, उत्तर प्रदेश।
- 7-समस्त विभागाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश।

गृह (पुलिस) अनुभाग-9

लखनऊ: दिनांक: 16 अगस्त, 2013

विषय:- किमिनल रिट याचिका संख्या-129/2006 लक्ष्मी बनाम यूनियन आफ इण्डिया व अन्य में मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा पारित आदेश दिनांक 18.7.2013 के अनुपालन में तेजाब (एसिड) की बिक्री पर प्रतिबन्ध एवं आवश्यक दिशा-निर्देश।

महोदय,

उपर्युक्त विषय के संबंध में किमिनल रिट याचिका संख्या-129/2006 लक्ष्मी बनाम यूनियन आफ इण्डिया व अन्य में मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा पारित आदेश दिनांक 18.7.2013 (प्रतिलिपि संलग्न) के अनुपालन में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उत्तर प्रदेश में तेजाब (एसिड) की बिक्री को तत्काल प्रभाव से तब तक के लिए पूर्णतः प्रतिबन्धित किया जाता है जब तक तेजाब (एसिड) विक्रेता निम्नलिखित निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित नहीं कर लेते हैं:-

- (1) तेजाब (एसिड) विक्रेताओं द्वारा एक पंजिका रखी जायेगी, जिसमें क्रेताओं द्वारा कय किए जा रहे तेजाब (एसिड) की मात्रा, कय का उद्देश्य, क्रेता का नाम व पूरा पता अंकित किया जायेगा तथा शासन द्वारा जारी पहचान पत्र (जिसमें उसकी छायाचित्र (फोटो) संलग्न हो तथा पूरा पता अंकित हो) की प्रति भी संरक्षित की जायेगी।
 - (2) विक्रेता द्वारा एक पक्ष के भीतर तेजाब (एसिड) का पूरा स्टॉक, दुकान का पता, पंजीयन संख्या, वाणिज्यकर विभाग द्वारा पंजीयन की स्थिति से संबंधित उप जिला मजिस्ट्रेट को अवगत कराया जायेगा।
 - (3) विक्रेता द्वारा 18 वर्ष से कम आयु के व्यक्ति को तेजाब (एसिड) की बिक्री कदापि नहीं की जायेगी।
- 2- उपरोक्त प्रस्तर-1 में दी गयी व्यवस्था का अनुपालन न करने पर संबंधित उप जिला मजिस्ट्रेट विक्रेता के समस्त स्टॉक को जब्त कर सकेंगे व रु0 50,000/- तक का अर्थदण्ड भी अधिरोपित कर सकेंगे।

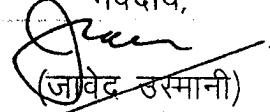
3- उक्त के साथ यह भी कहने का निदेश हुआ है कि प्रदेश की शिक्षण संस्थाओं, अनुसंधान प्रयोगशालाओं, अस्पतालों, शासकीय विभागों व सार्वजनिक उपकर्मों, जिनके लिए तेजाब (एसिड) का स्टॉक रखना व प्रयोग करना आवश्यक है, के द्वारा निम्नलिखित दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा:-

- (i) एक ऐसी पंजिका रखी जायेगी जिसमें तेजाब (एसिड) के स्टॉक की कुल मात्रा व कितनी-कितनी मात्रा किस प्रयोजन हेतु उपयोग में लायी गयी है, इसका विवरण अंकित किया जायेगा। यह पंजिका संबंधित उप जिला मजिस्ट्रेट को प्रस्तुत की जायेगी।
- (ii) प्रत्येक संस्थान अपने भवन/कार्य-स्थल पर एसिड की कस्टडी तथा उसके सुरक्षित रख-रखाव हेतु किसी कार्मिक/अधिकारी को उत्तरदायी बनायेगा। इस कार्मिक/अधिकारी द्वारा समस्त स्टॉक का पर्यवेक्षण किया जायेगा तथा उसके लिए यह सुनिश्चित करना आवश्यक होगा कि छात्र-छात्राओं, व्यक्तियों/संबंधित कार्मिकों जिन्होंने एसिड का प्रयोग किया है, की उस स्थान को छोड़ने से पहले अनिवार्य चेकिंग की जाय।

4- उपरोक्त दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित कराने व उपरोक्त निर्देशों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करने का दायित्व संबंधित उप जिला मजिस्ट्रेट का होगा।

कृपया उपर्युक्त निर्देशों का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित कराने का कष्ट करें।

संलग्नक:-यथोक्त।

भवदीय,

(जवेद उस्मानी)
मुख्य सचिव।